जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 मार्च 2019
प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में साइबर अपराध पर राष्ट्रीय गोष्ठी

साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विधि विभाग ने नौ मार्च को एक राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें विख्यात साइबर लाॅ विशेषज्ञ एडवोेकेट पवन दुग्गल, स्कूल आॅफ लाॅ, यूपीईएस, देहरादून के निदेशक प्रो तबरेज़ अहमद और स्कूल आॅफ कंम्प्यूटर साइंस आॅफ लाॅ के प्रमुख प्रो अशरफ आलम ने संबोधित किया।

विधि विभाग की डीन प्रो नुज़हत परवीन खान ने अपने उद्घाटन भाषण में आपस में पूरी तरह जुड़े हुए विश्व में देशों के बीच साइबर अपराधों से पड़ रहे प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया।

विधि विभाग के एसोसिएट प्रो और गोष्ठी के संयोजक डा ग़ुलाम यज़दानी ने कहा कि साइबर अपराध अब व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों से भी आगे नए नए खतरे पेश करने लगा है।

मुख्य अतिथि के रूप में पवन दुग्गल ने अपने अभिभाषण में साइबर अपराध किस हद तक पूरी दुनिया के लिए नुकसानदेह हो सकता है, इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रो तबरेज़ ने साइबर अपराध से जुड़े वित्तीय धांधलियों के बारे में सचेत किया। प्रो अशरफ आलम ने साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाली प्रौद्योगिकी और उसकी रोकथाम के उपायों को सुझाया।

गोष्ठी के सह संयोजक और विधि विभाग के एसोसिएट प्रो डा क़ाज़ी मुहम्मद उस्मान ने साइबर क्राइम के बारे में अपार जानकारी देने के लिए वक्ताओं का धन्यवाद किया।

गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रो अफज़ल वानी और लखनउ विश्वविद्यालय के प्रो एस डी शर्मा सेमिनार के समापन सत्र के गेस्ट आॅफ आॅनर और चीफ गेस्ट थे।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक